

नौबत बाजे ( १५६ )

आयो आयो आ दींहड़ो सुहायो  
मंगल मनायो सीयाराम आयो॥

अजु अयोध्या आनंदु मगनु आ  
जै जस सां आयो राम आ  
नभ धरणी अ में नौबत बाजे पूरण थियो मन काम आ  
गायो गायो खुशी अ गीत गायो  
मंगल मनायो सीयाराम आयो॥

भरत लाल जी सफलु तपस्या दुखड़ो सभोई थियो दूर  
आ

प्रेम प्रफुलित अमड़ि कौशल्या घर घर सुखु भरपूर आ  
छायों छायों हर्ष अति छायों  
मंगल मनायो सीयाराम आयो॥

देव मण्डलु करे फूलनि वर्षा गंधर्व गीत था गाइनि  
रिषी मुनी भी वेद पढ़ी था आनंद जलु वर्षाइनि  
लायो लायो चरण लिंग लायो  
मंगल मनायो सीयाराम आयो॥

नाट नाटियूं सभु नृत्य करनि था हर्ष जी आ हरियाली  
खज़ाना खोले दान लुटाइनि कोन वजें कोई खाली  
पायो पायो प्रेम रस पायो मंगल मनायो सीयाराम आयो॥

रतन सिंहासन वेठा युगलवर मैया आरती उतारे  
कोकिल राणी वेही अंबनि में जै सीयाराम उचारे  
भायो भायो मैगसि मन भायो

मंगल मनायो सीयाराम आयो॥